Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किस पर्यावरण में परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियों की अपेक्षा नहीं की जा सकती?

(अ) उत्तर-पूर्व के वन और पहाड़ियाँ
(ब) राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क प्रदेश
(स) गंगा का जलोढ़ मैदान
(द) हिमालय की निचली घाटियाँ

2. निम्नलिखित में से कौन-सा नगर एक औद्योगिक नगर नहीं है?

(अ) जमशेदपुर
(ब) रोहतक
(स) बरौनी
(द) दुर्गापुर

3. निम्नलिखित में से कौन-सा मध्यकालीन नगर नहीं है?

(अ) सूरत
(ब) लखनऊ
(स) हैदराबाद
(द) जयपुर

4. आर्थिक वृद्धि के नोड के रूप में कौन कार्य करते हैं?

(अ) संचार
(ब) गाँव
(स) नगर
(द) उपर्युक्त

5. ग्रामीण बस्तियों निम्न में से किस क्रिया से संबंधित होती हैं?

(अ) तृतीयक आर्थिक क्रियाओं से
(ब) द्वितीयक आर्थिक क्रियाओं से
(स) प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं से
(द) चतुर्थक आर्थिक क्रियाओं से

6. नगला निम्न में से क्या है?

(अ) पल्ली बस्ती का स्थानीय नाम
(ब) परीक्षिप्त बस्ती का स्थानीय नाम
(स) नगरीय बस्ती का स्थानीय नाम
(द) गुच्छित बस्ती का स्थानीय नाम

7. एकाकी बस्ती किसे कहा जाता है?

(अ) परिक्षिप्त बस्ती
(ब) पल्ली बस्ती
(स) गुच्छित बस्ती
(द) सभी विकल्प सही है

8. निम्न में से कौन-सा पर्यटन स्थल मध्य भारत में स्थित है?

(अ) माउंट आबू
(ब) पंचमढ़ी
(स) नैनीताल
(द) ऊटी

9. अर्द्ध-गुच्छित बस्तियाँ कहाँ अधिक पाई जाती हैं?

(अ) गुजरात
(ब) राजस्थान
(स) इनमें से कोई नहीं
(द) गुजरात और राजस्थान

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. भारत की जनगणना में प्रथम श्रेणी के नगर कौन-से हैं?

(अ) जनसंख्या 20,000 से 49,999 (ब) जनसंख्या 10,000 से 19,999

(स) जनसंख्या 50,000 से 99,999 (द) जनसंख्या 1,00,000 से अधिक

रिक्त स्थान

11. भारत में गुच्छित बस्तियाँ उपजाऊ जलोढ़ मैदानों और _____ राज्यों में पाई जाती हैं।

12. गाजियाबाद _____ के अनुषंगी नगर के रूप में विकसित हुआ।

सत्य/असत्य

13. वाराणसी भारत का एक प्राचीन नगर है।

14. स्वतंत्रता के पश्चात् चण्डीगढ़ एक प्रशासनिक नगर के रूप में विकसित हुआ।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. सनंगर शब्द को परिभाषित कीजिए।

16. मानव बस्ती से क्या तात्पर्य है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. परिक्षिप्त बस्ती का अर्थ बताइए। भारत में इस प्रकार की बस्तियों के विकास के किन्हीं दो कारणों को स्पष्ट कीजिए।

18. भारत के उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में सामान्यत: किस प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ पाई जाती हैं? इस प्रकार की बस्तियों के किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए?

निबंधात्मक प्रश्न

19. भारत में नगरों के विकास के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

20. विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियों के लक्षणों की विवेचना कीजिए। विभिन्न भौतिक पर्यावरणों में बस्तियों के प्रारूपों के लिए उत्तरदायी कारक कौन-से हैं?

HOTS

21. भारत में आधुनिक नगरों में से अनेक नगर अंग्रेजी शासन में विकसित हुए थे। इस कथन को प्रमाणित कीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. **(स)** गंगा का जलोढ़ मैदान
2. **(ब)**
रोहतक एक औद्योगिक नगर नहीं है। परन्तु राज्य सरकार नेशनल हाइवे पर स्थिति बहादुरगढ़, सांपला और रोहतक को औद्योगिक हब बनाने की योजना बना रही है।
3. **(अ)**
सूरत मध्यकालीन नगर नहीं है।
4. **(स)**
नगर आर्थिक वृद्धि के नोड के रूप में कार्य करते हैं।
5. **(स)**
ग्रामीण बस्तियाँ प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं से संबंधित होती हैं।
6. **(अ)**
देश के विभिन्न भागों में स्थानीय स्तर पर पल्ली बस्तियों को नगला, पाली, पान्ना आदि नामों से जाना जाता है।
7. **(अ)** परिक्षिप्त बस्ती
8. **(ब)**
मध्य प्रदेश के एकमात्र पर्वतीय स्थल होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी समुद्र तल से 1,067 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इस प्रकार पचमढ़ी मध्य हार्ट का एकमात्र पर्यटन स्थल है।
9. **(द)** गुजरात और राजस्थान
10. **(द)** जनसंख्या 1,00,000 से अधिक
11. उत्तरी-पूर्वी
12. दिल्ली
13. सत्य
14. सत्य
15. ये विशाल विकसित नगरीय क्षेत्र होते हैं जो कि मूलत: अलग-अलग नगरों या शहरों के आपस में मिल जाने से एक विशाल नगरीय क्षेत्र परिवर्तित हो जाते हैं।
16. मानव बस्ती किसी भी प्रकार और आकार के घरों का संकुल है जिनमें मनुष्य रहते हैं। एक स्थान जो साधारण तथा स्थायी रूप से बसा हुआ हो उसे मानव बस्ती कहते हैं।
17. परिक्षिप्त बस्ती का अर्थ ऐसी बस्तियों से है, जो विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों के निकट या उनके चारों ओर विकसित होती हैं। ये बस्तियाँ आमतौर पर शहरी जीवन की सुविधाओं के साथ-साथ ग्रामीण जीवन की सरलता को मिलाकर बनती है।
    i. **शहरीकरण :** तेजी से शहरीकरण के कारण, लोग बेहतर रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की तलाश में शहरों की ओर प्रवास करते हैं। इस प्रवास के परिणामस्वरूप, शहरों के आसपास परिक्षिप्त बस्तियों का विकास होता है, जहाँ लोग काम करने और निवास करने के लिए स्थान प्राप्त करते हैं।
    ii. **सुविधाओं की उपलब्धता :** शहरों के निकट स्थित बस्तियों के परिवहन, बिजली, जल और अन्य आधारभूत सुविधाओं की बेहतर उपलब्धता होती है। यह ग्रामीण निवासियों को शहर के नजदीक रहने और उनकी सुविधाओं का लाभ उठाने का अवसर प्रदान करता है।
18. भारत के उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में गुच्छित ग्रामीण बस्तियाँ पाई जाती हैं। इसकी विशेषताएँ निम्न हैं :
    i. इस प्रकार की बस्तियों में ग्रामीण घरों के संहत खंड पाए जाते हैं। इसमें घरों के समूह आड़ी-तिरछी, सँकरी और घुमावदार गलियों द्वारा अलग होते हैं। इसमें विभिन्न जातियों के मध्य सामाजिक अलगाव पाया जाता है।
    ii. गुच्छित ग्रामीण बस्तियों में सामान्य आवावसीय क्षेत्र स्पष्ट रूप से निकटवर्ती खेत-खलिहानों और चरागाहों से अलग होते हैं। ये विभिन्न ज्यामितीय आकृति की होती है। जैसे – आयताकार, अरीय, रैखिक आदि।

मिशन ज्ञान
पढ़ : जब चाहे, जहाँ चाहे, जैसे चाहे
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

19. भारत में नगरों का विकास एक जटिल प्रक्रिया है, जो ऐतिहासिक, आर्थिक, सामाजिक और भौगलिक विकास कारकों से प्रभावित होती है। भारतीय नगरों का प्राचीन काल से शुरू हुआ, लेकिन औद्योगिक क्रांति और स्वतंत्रता के बाद इसकी गति तेज हुई।

ऐतिहहासिक संदर्भ : प्राचीन भारत में नगरों का विकास मुख्यत: व्यापार और संस्कृति के केंद्रों के रूप मं हुआ। उदाहरण के लिए, वाराणसी, उज्जैन और पाटलिपुत्र जैसे नगर धार्मिक और वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं।

औद्योगिक क्रांति : 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान, औद्योगिक क्रांति ने कई नए नगरों का विकास किया। यह प्रक्रिया औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना और श्रमिकों के प्रवास के कारण तेज हुई। शहरों जैसे मुंबई, कोलकाता और चेन्नई ने औद्योगिक गतिविधियों के कारण तेजी से विकास किया।

शहरीकरण : स्वतंत्रता के बाद, तेजी से शहरीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, और रोजगार की खोज में ग्रामीण लोग नगरों की ओर प्रवास करने लगे। इसके परिणामस्वरूप, महानगरों और नगरों की जनसंख्या में वृद्धि हुई।

वर्तमान स्थिति : आज, भारत में 7,000 से अधिक नगर हैं, जिनमें मेट्रो शहर जैसे दिल्ली, मुंबई, और सांस्कृतिक विविधता, और सामाजिक परिवर्तनों के केंद्र बन गए हैं। हालांकि, शहरी विकास के साथ उत्पन्न हो रही है, जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है।

20. भारत में मानव बसाव के आकार व प्रकार के आधार पर ग्रामीण बस्तियों कों चार वर्गों में रखा जाता हैं-

i. **गुच्छित, संकुलित अथवा आकेंद्रित –** गुच्छित ग्रामीण बस्ती घरों का एक संहत अथवा संकुलित प्रारूप होता है जिनमे चरों और फैले खेतों, खलिहानों और चरागाहों से पृथक होता है। संकुलित प्रारूप में ज्यामितीय आकृतियाँ प्रस्तुत करती गलियाँ व मुख्य मार्ग होते हैं। जैसे-अरीय, रैखिक, आयताकार, इत्यादि। भारत के उपजाऊ जलोढ़ मैदानों उत्तर-पूर्वी राज्यों, मध्य भारत तथा राजस्थान के जल अभाव वाले क्षेत्रों में गुच्छित अथवा संकुलित बस्तियाँ पाई जाती हैं।

ii. **परिक्षिप्त अथवा एकाकी –** परिक्षिप्त अथवा एकाकी बस्ती प्रारूप भारत के, उत्तरांचल, मेघालय, हिमालय प्रदेश तथा केरल के विभीन्न भागो में छोटी पहाड़ियों की ढालों पर, जंगलों में तथा भू-भाग की अत्यधिक विखंडित प्रकृति वाले स्थानों पर देखने को मिलता हैं।

iii. **अर्ध-गुच्छित अथवा विखंडित –** अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ प्राय: किसी बड़े गाँव के विखंडन का परिणाम होता है। इसमें ग्रामीण समाज का कोई वर्ग स्वेच्छा से अथवा बलपूर्वक मुख्य गुच्छ अथवा गाँव से अलग थोड़ी दूरी पर रहने लगता है। गाँव के केंद्रीय भाग पर प्रभावशाली लोंग काबिज रहते हैं।

iv. **पल्लीकृत -** जब कोई बस्ती भौतिक रूप से अनेक इकाइयों में बँट जाती हैं किंतु उन सबका नाम एक ही रहता है, ऐसी इकाइयों को देश के अलग-अलग भागों में स्थानीय स्तर पर पान्ना, पाड़ा, पाली, नगला, ढाँणी इत्यादि कहा जाता है। यह विखंडन प्रायः सामजिक एवं मानव जातीय कारकों द्वारा अभिप्रेरित होता है। ऐसे गाँव मध्य और निम्न गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़ तथा हिमालय की निचली घाटियों में अधिक पाए जाते हैं। जैसे-

- सांस्कृतिक और मानव जातीय कारक-सामाजिक संरचना, जाति और धर्म
- सुरक्षा संबंधी कारक-चोरियों और डकैतियों से सुरक्षा
- भौतिक कारक-भू-भाग की प्रकृति, ऊँचाई, जलवायु तथा जल की उपलब्धता

21. भारत में अंग्रेजों ने सबसे पहले तटीय क्षेत्रों पर अधिकार करने के बाद सूरत, दमन, गोवा, पांडिचेरी आदि व्यापारिक पत्तनों का विकास किया। ये धीरे-धीरे नगर के रूप में परिवर्तित हो गए। इसके बाद इन्होंने मुंबई, चेन्नई एवं कोलकाता का विकास प्रशासनिक केंद्र के रूप में किया। यहाँ से अंग्रेज अपने शासन का संचालन करने लगे। अंग्रेजों ने प्रत्यक्ष रूप से नियंत्रण के लिए प्रशासनिक केंद्रों, त्रीष्मकालीन विश्राम स्थलों एवं पर्वतीय नगरों; जैसे-शिमला व मसूरी की रथापना की। इन सभी तथ्यों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि भारत के आधुनिक नगरों में से अनेक नगर अंग्रेजी शासनकाल में विकसित हुए थे।